SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-1-2)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।

	ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:

	• उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड : 61/1/2) (12-01-27N)

अंकन योजना में उलिखित पृष्ठ संखाएँ नवीनतम एनसीआरटी ई- पुस्तक से ली गई हैं|

प्र.सं.	अपेक्षित परिणाम/मूल्य बिंदु	पृष्ठ सं.	निशान
	एक खंड **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		**21X1= 21**
1.	(C) अष्टाध्यायी	79	1
2.	(D) पाटलिपुत्र	31	1
3.	(D) 4, 3, 1, 2	2	1
4.	(D) केवल (ii) और (iv) सही हैं	88	1
5.	(B) मौर्य - महापद्मनंद के उत्तराधिकारी	50	1
6.	(B) IV, II, III, I	25	1
7.	(B) साँची स्तूप दृष्टिबाधित लोगों के लिए (B) मध्य प्रदेश.	83	1
8.	(D) राम राय और बीजापुर, गोलकोंडा और अहमदनगर के शासकों के बीच।	173	1
9.	(C) हजारा राम मंदिर.	183	1
10.	(C) अकबर नामा	217	1
11.	(C) बढ़ता शोषण और ऋणग्रस्तता	230	1
12.	(C) शेख निज़ामुद्दीन औलिया -- आगरा	154	1
13.	(A) अभिकथन (A) सही है और कारण (R) इसका सही स्पष्टीकरण है अभिकथन (A)	163	1
14.	(A) फ्रेंकोइस बर्नियर.	130	1
15.	(D) जॉर्ज वाशिंगटन	250-51	1
16.	(C) इब्न-बतूता	118	1
17.	(A) गोनू – छोटानागपुर	262-63	1
18.	(B) c, d, b, a	332	1
19.	(B) पंडित जवाहरलाल नेहरू।	322	1
20.	(C) केवल I और II सही हैं	249	1
21.	(C) इसने भारतीय समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया	276	1
	खंड –बी **(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**6x3= 18**
22.	**भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के महानिदेशक के रूप में आर. ई. एम. व्हीलर के प्रमुख योगदानों की परख कीजिए।** (i) आर. ई. एम. व्हीलर ने 1944 में ए.एस.आई. (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) के महानिदेशक (डायरेक्टर जनरल) के रूप में कार्यभार संभाला।	21	3x1=3

	(ii) उन्होंने जॉन मार्शल द्वारा की गई खुदाई की उस समस्या को दूर किया, जिसमें नियमित क्षैतिज इकाइयों के आधार पर उत्खनन किया जाता था। (iii) व्हीलर ने एक समान क्षैतिज इकइयों के अनुसार खुदाई करने के बजाय टीले के स्तर विन्यास का अनुसरण किया। (iv) उन्होंने पुरातत्व की पद्धति में एक सैनिक परिशुद्धता का समावेश भी किया। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
23.	**(a) अमरावती के स्तूप के पतन के कारणों की व्याख्या कीजिए ।** (i) अमरावती की खोज विद्वानों द्वारा खोजों के महत्व को समझने से पहले ही हो गई थी। (ii) एक स्थानीय राजा को अमरावती में स्तूप के खंडहर मिले और उन्होंने फैसला किया कि वे उस पत्थर का इस्तेमाल मंदिर बनाने के लिए करेंगे। (iii) वाल्टर इलियट ने अमरावती से कई मूर्तियाँ और उत्कीर्ण पत्थर जमा किए और वे उन्हें मद्रास ले गए । (iv) कुछ पत्थर कलकत्ता में बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी और कुछ कुछ पत्थर लंदन तक पहुँच गए । (v) कई अंग्रेज अधिकारियों के बागों में अमरावती की मूर्तियाँ पाना कोई असामान्य बात नहीं थी। (vi) इस इलाके का हर नया अधिकारी भी मूर्तियाँ उठाके ले जाते थे| (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	98 105	3x1=3 3x1=3
	अथवा **(b) प्राचीन भारत के पौराणिक हिंदू धर्म के महत्व की व्याख्या कीजिए ।** (i) पुराणों को ब्राह्मणों ने संकलित किया था। (ii) उनमें बहुत सी ऐसी बातें थीं जो सदियों से रचित और प्रचलन में थीं। (iii) इनमें देवी-देवताओं की भी कहानियाँ हैं। (iv) वे सरल संस्कृत श्लोक में लिखे गए थे। (v) इन्हें ऊँची आवाज़ में पढ़ा जाता था जिसे कोई भी सुन सकता था। महिलाएँ और शूद्र जिन्हें वैदिक साहित्य पढ़ने-सुनने की अनुमति नहीं थी लेकिन पुराणों को सुन सकते थे। (vi) पुराणों की ज़्यादातर कहानियाँ लोगों के आपसी मेल-मिलाप से विकसित हुई। पुजारी, व्यापारी और सामान्य स्त्री-पुरुष एक से दूसरी जगह आते-जाते हुए अपने विश्वासों और अवधारणाओं का आदान-प्रदान करते थे। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
24.	**'अल- बिरुनी को भारत को समझने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा।' इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) पहली बाधा भाषा थी। (ii) संस्कृत, अरबी और फ़ारसी से इतनी भिन्न थी कि विचारों और अवधारणाओं का एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना आसान नहीं था।	124	3x1=3

	(iii) दूसरी बाधा धार्मिक अवस्था और प्रथाओं में अंतर था। (iv) तीसरी अवरोध अभिमान था । (v) अल- बिरूनी ने भारतीय समाज को समझने के लिए मुख्यतः ब्राह्मणों की कृतियों पर ही आश्रित रहा। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
25.	**(a) महानवमी डिब्बा की अनुष्ठानिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।** (i) महानवमी डिब्बा से जुड़े अनुष्ठान महानवमी के अवसर पर आयोजित किए जाते थे। (ii) इस अवसर पर प्रतिमा की पूजा, राज्य के अश्वों की पूजा तथा भैंसों और अन्य पशुओं की बलि दी जाती थी। (iii) नृत्य, कुश्ती प्रतियोगिताएँ तथा सजे-धजे घोड़ों, हाथियों, रथों और सैनिकों की राजा के सामने भव्य शोभायात्राएँ इस अवसर की प्रमुख विशेषताएँ थीं। (iv) राजा एक भव्य समारोह में खुले मैदान में अपनी सेना तथा नायकों की सेनाओं का निरीक्षण करता था। (v) नायक राजा के लिए बहुमूल्य उपहार और निर्धारित कर प्रस्तुत करते थे। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुयों का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **b) विजयनगर साम्राज्य के प्रशासन में अमर- नायकों की भूमिका का वर्णन कीजिए ।** (i) अमर-नायक सैन्य अधिकारी थे, जिन्हें राय (राजा) द्वारा शासन करने के लिए क्षेत्र दिए जाते थे। (ii) वे अपने क्षेत्र के किसानों, शिल्पकारों और व्यापारियों से कर तथा अन्य देय एकत्र करते थे। (iii) वे प्राप्त राजस्व का एक भाग अपने निजी उपयोग तथा घोड़ों और हाथियों की निर्धारित सेना को बनाए रखने के लिए रखते थे। (iv) इन सैन्य दलों ने विजयनगर के राजाओं को एक प्रभावी युद्ध शक्ति प्रदान की। (v) राजस्व का कुछ भाग मंदिरों और सिंचाई कार्यों के रख-रखाव में भी लगाया जाता था। (vi) अमर-नायक प्रतिवर्ष राजा को कर (श्रद्धांजलि) भेजते थे तथा अपनी निष्ठा प्रकट करने के लिए उपहारों के साथ दरबार में उपस्थित होते थे। (vii) राजा उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करके उन पर अपना नियंत्रण बनाए रखते थे। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	180-81 175	3x1=3 3x1=3
26.	**'भूमि पर औसत लगान' के रिकार्डों के विचारों का विश्लेषण कीजिए।** (i) भूस्वामी को उस समय लागू "औसत लगानों" को प्राप्त करने का ही हक़ होना चाहिए। (ii) जब भूमि से औसत लगान से अधिक प्राप्ति होने लगे तो भूस्वामी को अधिशेष आय होगी जिस पर सरकार को कर लगाने की आवश्यकता होगी।	247	3x1=3

	(iii) यदि इस अधिशेष पर कर नहीं लगाया गया, तो कृषक किरयाजीवी में बदल जाएँगे। (iv) उनकी यह अतिरिक्त आय भूमि के सुधार में उत्पादक रीति से निवेश किए जाने की संभावना कम होती है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
27.	**संविधान सभा में बी.आर. आंबेडकर की भूमिका की व्याख्या कीजिए |** (i) एक प्रख्यात विधिवेत्ता और अर्थशास्त्री के रूप में डॉ. बी.आर. आंबेडकर संविधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्य थे। (ii) वे केंद्रीय मंत्रिमंडल में विधि मंत्री के रूप में शामिल हुए। (iii) उन्होंने संविधान की प्रारूप समिति (Drafting Committee) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। (iv) संविधान के प्रारूप को सभा के समक्ष प्रस्तुत करने तथा उसे मार्गदर्शित करने की जिम्मेदारी उनके ऊपर थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	320-21	3x1=3
	खंड – सी **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3x8=24**
28.	**(a) "असहयोग आंदोलन, भारत और गांधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया।" लुई फिशर के इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** (i) गांधीजी को चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद जैसे स्थानीय छोटे संघर्षों से काफी अनुभव मिला। (ii) प्रथम विश्वयुद्ध के अंत में अंग्रेजों ने प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिया था और बिना जाँच के कारावास की अनुमति दे दी थी। (iii) 1919 में रॉलेट एक्ट भी लागू किया गया। (iv) इसके जवाब में गाँधी जी ने देशभर में 'रॉलेट एक्ट' के खिलाफ एक अभियान चलाया। (v) दुकानें बंद हो गई, स्कूल बंद हो गए। (vi) पंजाब में विरोध प्रदर्शन बहुत तेज़ थे। (vii) पंजाब जाते समय गांधीजी को हिरासत में ले लिया गया। (viii) मज़दूर वर्ग हड़ताल पर चला गया (ix) विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना छोड़ दिया। (x) वकीलों ने अदालत में उपस्थित होने से इनकार कर दिया। (xi) अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए। (xii) उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने वन कानूनों का उल्लंघन किया। (xiii) कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया। (xiv) गांधीजी ने कहा कि अगर असहयोग आंदोलन को असरदार तरीके से चलाया गया तो भारत को एक साल के अंदर स्वराज मिलेगा ।	289-91	8x1=8

	(xv) असहयोग आंदोलन के कारण 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार ब्रिटिश राज की नींव हिल गई। (xvi) असहयोग आंदोलन ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को जन आंदोलन में और गांधीजी को एक लोकप्रिय नेता में बदल दिया। (xvii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(b) "गांधीजी ने विभिन्न कारणों से नमक मार्च शुरू किया और परिणामस्वरूप ये एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन के रूप में सामने आया।" इस कथन की व्याख्या उदाहरणों सहित कीजिए।** नमक मार्च के कारण (i) साइमन आयोग की विफलता। (ii) 1929 - कांग्रेस संघ का लाहौर अधिवेशन - पूर्ण स्वराज की मांग। (iii) सविनय अवज्ञा का आवाहन किया (iv) गांधीजी ने नमक को इसलिए चुना क्योंकि यह हर घर में इस्तेमाल होने वाली एक आम सामग्री है जिसकी जरूरत सभी को पड़ती है। (v) नमक पर राज्य का एकाधिपत्य था। (vi) लोगों को घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया । (vii) उन्हें दुकानों से ऊँचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया गया। (viii) प्रकृति द्वारा बहुतायत में उत्पादित संपदा का यह अतिशय विनाश करता है। (ix) इस विनाश का मतलब है अधिक राष्ट्रीय खर्च। (x) इसने लोगों को बहुमूल्य सुलभ ग्राम उद्योग से वंचित किया । (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) नमक मार्च का महत्व। (i) इससे महात्मा गाँधी दुनिया की नजर में आए। (ii) इस यात्रा को यूरोप और अमेरिकी प्रेस ने व्यापक कवरेज दी। (iii) यह पहली राष्ट्रवादी गतिविधि थी जिसमें औरतों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। (iv) नमक यात्रा के कारण ही अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि अब उनका राज बहुत दिन नहीं टिक सकेगा। (v) अंग्रेजों को यह अहसास हुआ था कि उन्हें भारतीयों को भी सत्ता में हिस्सा देना पड़ेगा। (vi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	296-97	4+4=8
29.	**(a) मुगल काल में ग्राम पंचायतों की भूमिका की व्याख्या कीजिए ।** (i) पंचायत का प्रमुख कार्य यह सुनिश्चित करना था कि गाँव में जातिगत सीमाओं का पालन हो। (ii) सभी विवाह पंचायत की उपस्थिति में ही संपन्न किए जाते थे।	202-04	8x1=8

	(iii) पंचायतों को जुर्माना लगाने का अधिकार भी प्राप्त था। (iv) गंभीर अपराधों के लिए कठोर दंड दिए जाते थे। (v) ग्राम पंचायत के अलावा गाँव में हर जाति की अपनी पंचायत होती थी। (vi) जाति पंचायतें विभिन्न जातियों के सदस्यों के बीच होने वाले नागरिक विवादों का निपटारा करती थीं। (vii) वे जमीन से जुड़े दावेदारियों के झगड़े सुलझाती थी, यह तय करती थीं कि विवाह जातिगत मानदंडो के मुताबित हो रहा है या नहीं, तथा गाँव के आयोजन में किसको किसके ऊपर तरजीह दी जाएगी । (viii) सामान्य लोग भी न्याय के लिए अपनी अपील पंचायतों के समक्ष प्रस्तुत कर सकते थे। (ix) ग्राम पंचायत को इसकी सुनवाई करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य अपना नैतिक फर्ज़ अदा करे और न्याय करे। (x) पंचायतों के निर्णय गाँव वालों पर मान्य होते थे। (xi) पंचायतें कानून और व्यवस्था बनाए रखती थीं। (xii) अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(b) मुगल काल में जमींदारों की स्थिति और भूमिका की व्याख्या कीजिए ।** (i) जमींदार भूमि के स्वामी होते थे, जिन्हें विशेष सामाजिक दर्जा प्राप्त था। (ii) उच्च वर्ग से होने के कारण उन्हें आर्थिक और सामाजिक विशेषाधिकार प्राप्त थे। (iii) जमींदारों के पास विस्तृत निजी भूमि होती थी, जिसे 'मिल्कियत' कहा जाता था। (iv) वे प्रायः राज्य की ओर से राजस्व (कर) एकत्र करते थे। (v) इस कार्य के लिए उन्हें आर्थिक रूप से पारिश्रमिक दिया जाता था। (vi) सैन्य संसाधनों पर नियंत्रण भी उनकी शक्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत था। (vii) अधिकांश जमींदारों के पास किले और सशस्त्र सैनिक दल होते थे। (viii) वे राज्य के लिए कुछ सेवाएँ (खिदमत) भी प्रदान करते थे। (ix) जमींदार अपनी भूमि को बेच, वसीयत कर या गिरवी रख सकते थे। (x) वे नई भूमि के उपनिवेशीकरण, अधिकारों के हस्तांतरण, राज्य के आदेश और खरीद के माध्यम से अपनी जमींदारी का विस्तार करते थे। (xi) जमींदार शोषणकारी वर्ग थे, लेकिन उनके और किसानों के बीच पारस्परिकता, संरक्षण और आश्रय का संबंध भी मौजूद था। (xii) उन्होंने कृषि भूमि के विस्तार में अग्रणी भूमिका निभाई और किसानों को बसाने के लिए उन्हें खेती के साधन, जैसे नकद ऋण, उपलब्ध कराए। (xiii) जमींदारी की खरीद-फरोख्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रा प्रचलन (मौद्रीकरण) की प्रक्रिया को तेज किया। (xiv) जमींदार अपनी मिल्कियत भूमि की उपज को बेचते थे। (xv) वे अक्सर बाजार (हाट) स्थापित करते थे, जहाँ किसान भी अपनी उपज बेचने आते थे। (xvi) अन्य कोई प्रासंगिक बिंदु।	211-13	8x1=8

	(किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
30.	**(a) "यद्यपि अभिलेख इतिहास के पुनर्निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्रोत है, लेकिन इनसे प्राप्त जानकारी की भी सीमा होती है।" इस कथन को उपयुक्त तर्कों द्वारा न्यायसंगत ठहराइये ।** (i) अभिलेखों से प्राप्त जानकारी की भी सीमा होती है। (ii) कभी-कभी इसकी तकनीकी सीमा होती है: अक्षरों को हलके ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है। (iii) अभिलेख नष्ट भी हो सकते हैं जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं। (iv) अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता। (v) कई हजार अभिलेख प्राप्त हुए हैं लेकिन इन सभी अभिलेखों को पढ़ा नहीं जा सका। (vi) अनेक अभिलेख रहे होंगे जो कालांतर में सुरक्षित नहीं बचे हैं। (vii) यह जरूरी नहीं है कि जिसे हम आज राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मानते हैं उन्हें अभिलेखों में अंकित किया ही गया हो। (viii) अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हें बनवाते थे। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा**	48-49	8x1=8
	(b) "मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्रचना के लिए इतिहासकारों ने विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया और उनके प्रशासन के तरीकों को भी स्पष्ट किया है।" इस कथन को उपयुक्त **तर्कों द्वारा न्यायसंगत ठहराइये ।** (i) मौर्य साम्राज्य के इतिहास की पुनर्निर्माण के लिए इतिहासकारों ने विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग किया है। इनमें पुरातात्विक प्रमाण भी शामिल हैं, विशेषतया मूर्तिकला। (ii) समकालीन रचनाएँ भी मूल्यवान सिद्ध हुई हैं, जैसे मेगस्थनीज द्वारा लिखा गया विवरण। (iii) कौटिल्य या चाणक्य का अर्थशास्त्र एक अन्य स्रोत है। (iv) बौद्ध ग्रंथ (v) जैन ग्रंथ (vi) पौराणिक ग्रंथों (vii) संस्कृत वाङ्मय (viii) अशोकवदना (ix) चट्टानों और स्तंभों पर अशोक के शिलालेख। (x) सिक्के (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही पांच बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए) **शासन व्यवस्था** (i) मौर्य साम्राज्य को पाँच प्रमुख राजनीतिक केंद्र में बांटा गया था।	32-34	5+3=8

	(ii) साम्राज्य में, शामिल क्षेत्र बड़े विविध और भिन्न-भिन्न प्रकार के थे कहाँ अफ़गानिस्तान के पहाड़ी क्षेत्र और कहाँ उड़ीसा के तटवर्ती क्षेत्र। (iii) सबसे प्रबल प्रशासनिक नियंत्रण साम्राज्य की राजधानी तथा उसके आसपास के प्रांतीय केंद्रों पर होता था। (iv) राजधानी केन्द्रों का चयन बहुत सावधानीपूर्वक किया गया था। (v) भूमि और नदियों दोनों मार्गो के माध्यम से संचार व्यवस्था में सुधार किया गया। (vi) शांति बनाए रखने तथा अपनी सीमओं को नियंत्रण में रखने के लिए सेना महत्वपूर्ण थी। (vii) मेगस्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और छः उपसमितियों का उल्लेख किया है । (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
	खण्ड– घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**		3x4= 12
31.	**<u>शाही भेंट अस्वीकार</u>** **(31.1) स्थानीय शासक द्वारा सूफी संत को दी गई भेंट का उल्लेख कीजिए।** (i) स्थानीय शासक ने दो बगीचे और बहुत सी जमीन का पट्टा शेख साहब को भेजा और साथ ही इनके रखरखाव के लिए औज़ार व आवश्यक वस्तुएँ भेजी थी। (ii) शासक ने बागों और ज़मीन पर अपने सभी अधिकार छोड़ने का ऐलान किया। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)	160	1
	(31.2) सूफी संत की दी गई भेंट पर क्या प्रतिक्रिया थी ? (i) शेख ने चढ़ावे पर अफसोस जताते हुए कहा कि वे चढ़ावे उसके किसी काम के नहीं हैं। (ii) किसी भी आध्यात्मिक गुरु ने कभी ऐसी गतिविधियों में भाग नहीं लिया था। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		1
	(31.3) सूफी संत ने धनराशि को क्यों स्वीकार किया ? स्पष्ट कीजिए । (i) शेख ने पैसे इसलिए लिए क्योंकि वह उन्हें सूफियों या दरवेशों को देना चाहते थे। (ii) सूफी इसका इस्तेमाल खाना और कपड़े खरीदने के लिए कर सकते थे। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
32.	**<u>ताल्लुकदारों की सोच</u>** **(32.1) ब्रिटिश अफसर के प्रति हनवंत सिंह की पीड़ा को स्पष्ट कीजिए।** (i) अंग्रेजों ने भारतीयों की ज़मीन छीनकर और उनके राजा को भगाकर उन्हें दबा दिया था।	269	1

	(ii) देश के लोग अंग्रेजों के खिलाफ उठ खड़े हुए थे| (iii) हनवंत सिंह ने एक सच्चे भारतीय की तरह ब्रिटिश अधिकारी को पनाह दी थी और उन्हें सुरक्षित स्थान तक पहुँचाया था। (iv) हनवंत सिंह ने अपनी पीड़ा ज़ाहिर की क्योंकि अब उन्हें अंग्रेजों को खदेड़ने के लिए उसे अपने सिपाहियों के नेतृत्व में आगे बढ़ना होगा। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		
	(32.2) शासकों द्वारा ताल्लुकदारों को किस प्रकार की सुविधाएँ दी जाती थी ? (i) तालुकदारों को ज़मीन और सत्ता पर नियंत्रण दिया गया था। (ii) ताल्लुक़दारों के पास हथियारबंद सिपाही होते थे। (iii) उनके अपने क़िले थे। (iv) उनके पास काफ़ी स्वायत्तता भी होती थी। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		1
	(32.3) ब्रिटिश शासन से ताल्लुकदारों के असंतोष के किन्हीं दो कारणों की व्याख्या कीजिए। (i) ब्रिटिश भूराजस्व नीति ने ताल्लुक़दारों की हैसियत व सत्ता को चोट पहुँचाई। (ii) ताल्लुकदारों को उनकी जमीनों से बेदखल किया गया। (iii) कुछ तालुकदारों ने अपने पूर्व में कब्जे वाले गाँवों की कुल संख्या के आधे से अधिक गांव खो दिए। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
33.	**<u>माता की सलाह</u>** **(33.1) कौरवों और पाण्डवों के बीच संघर्ष के मुख्य कारण की व्याख्या कीजिए ।** (i) कौरवों और पाण्डवों के बीच संघर्ष का असली कारण ज़मीन और ताकत पर कब्ज़ा करना । (ii) कुरु एक प्रभुत्वशाली समूह थे और वे हर परिस्थिति में शासन करने के लिए सत्ता चाहते थे। (iii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)	60	1
	(33.2) गांधारी ने दुर्योधन को युद्ध न करने की सलाह क्यों दी ? (i) शांति की संधि करके दुर्योधन अपने पिता, माता तथा शुभेच्छुकों का सम्मान करेंगे । (ii) लालच और क्रोध आदमी को लाभ से दूर खदेड़कर ले जाते हैं। (iii) युद्ध में कुछ भी शुभ नहीं होता, ना धर्म और अर्थ की प्राप्ति होती है और ना ही प्रसन्नता की (iv) युद्ध के अंत में सफलता मिले यह भी ज़रूरी नहीं है। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।		1

	(किन्ही एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए)		
	(33.3) दूर्योधन ने अपनी माता, गांधारी की सलाह क्यों नहीं मानी ? (i) वह शासक बनना चाहता था। (ii) वह ईर्ष्यालु और लालची था। (iii) वह पांडवों के साथ शांति नहीं करना चाहता था। (iv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
	खण्ड – ङ **(मानचित्र-आधारित प्रश्न)**		**5x1=5**
34.	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिह्नों अथवा प्रतीकों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए :**	2	3x1=3
	(i) नागेश्वर - एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल	30	
	(ii) काशी - आरंभिक राज्य		
	iii) (a) गोवा - औरंगजेब के अधीन क्षेत्र	214	
	अथवा		
	(b) तंजाबूर - एक मध्यकालीन शहर	174	
	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित दो केन्द्रों को A और B से अंकित किया गया है। इनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए। A. चौरी चौरा B. दांडी	291, 296	2
	नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 34 के स्थान पर हैं।		
	(34.1) आरंभिक राज्यों की किन्हीं दो महत्वपूर्ण राजधानियों के नाम लिखिए। उज्जयिनी/ कौशाम्बी/ वाराणसी/ राजगीर/ वैशाली/ कुशीनगर/ श्रावस्ती/ चंपा/ मथुरा/ इन्द्रप्रस्थ/ तक्षशिला/ पुष्कलावती अथवा कोई अन्य प्रासंगिक शहर। (कोई दो)	30	2
	(34.2) (a) औरंगजेब के शासन के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए। दिल्ली / आगरा / अजमेर / गोवा या कोई ओर। **अथवा** **(b) विजयनगर साम्राज्य की राजधानी का नाम लिखिए।** हम्पी	214 170	1 1
	(34.3) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो मुख्य केन्द्रों के नाम लिखिए। चंपारण ,खेड़ा, अहमदाबाद, चौरी-चौरा, दांडी, बारदोली या कोई अन्य। (कोई दो)	289, 291, 296	

	प्रश्न सं. **34** के लिए मानचित्र Map for Q. No. **34** 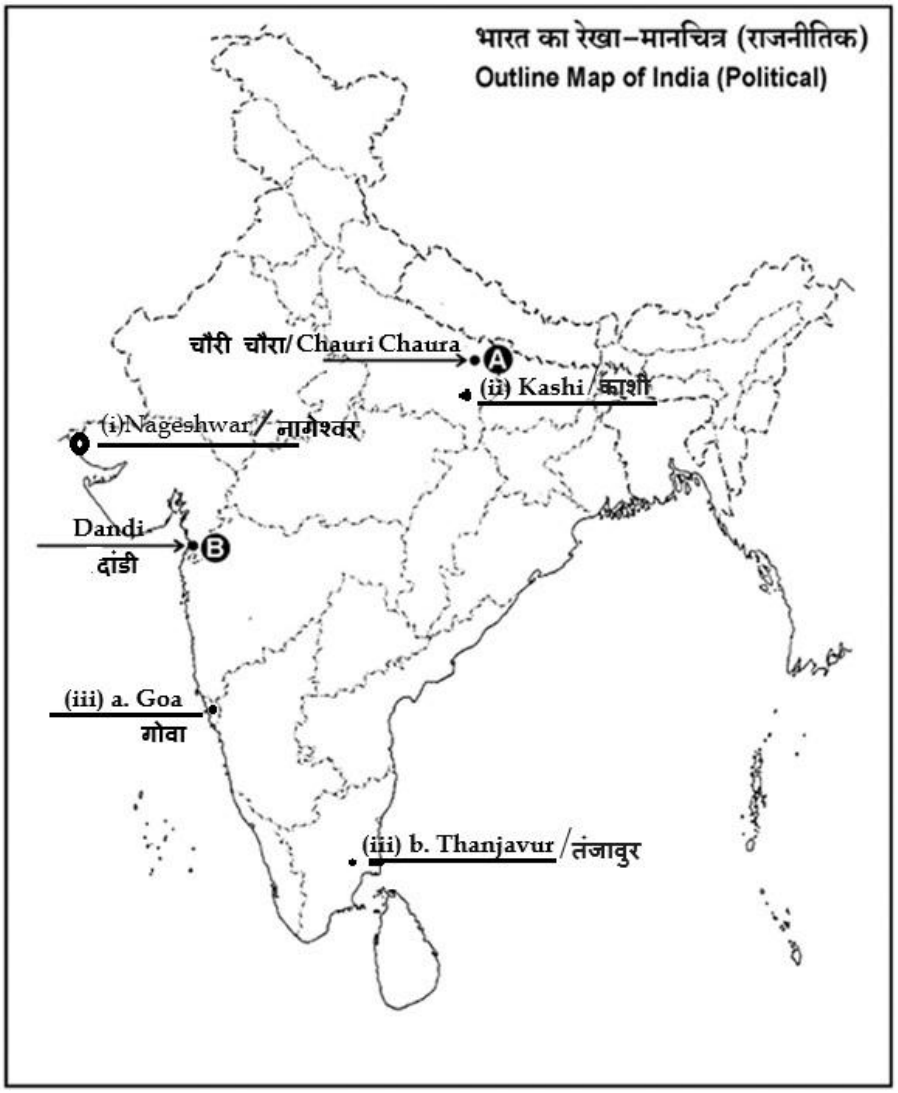 		2

HISTORY -61/1/2		
Paper Name: History (027) - 61_1_2		**Syllabus: 2026**
Question Number	**Total Marks**	**Steps**
SECTION - A - MULTIPLE CHOICE QUESTIONS		
1	1 mark	Step 1-1 Mark